

अध्याय - 8 | रामवृक्ष बेनीपुरी

QUIZ-02

1. आसाढ़ के समय गाँव का दृश्य कैसा था?

- A. लोग घरों में सोए थे
 B. खेतों में हल चल रहे थे और धान की रोपनी हो रही थी
 C. मेले का आयोजन हो रहा था
 D. बच्चे नदी में स्नान कर रहे थे (B)

व्याख्या: आसाढ़ की रिमझिम में गाँव के लोग खेतों में हल चला रहे थे और धान की रोपनी कर रहे थे।

2. बालगोबिन भगत रोपनी करते समय किस दशा में होते थे?

- A. उनके कपड़े साफ रहते थे
 B. वे समूचा शरीर कीचड़ में लथपथ कर लेते थे
 C. वे खेत के बाहर खड़े रहते थे
 D. वे केवल गीत गाते थे (B)

व्याख्या: भगत का पूरा शरीर कीचड़ में लथपथ हो जाता था जब वे रोपनी करते थे।

3. भगत के गाने का प्रभाव खेत में काम करने वालों पर क्या पड़ता था?

- A. कोई असर नहीं होता था
 B. सब लोग गाना बंद कर देते थे
 C. उनकी अंगुलियाँ और पैर एक विशेष क्रम से चलने लगते थे
 D. वे घर चले जाते थे (C)

व्याख्या: भगत के गीतों से काम करने वालों की अंगुलियाँ और हलवाहों के पैर एक विशेष ताल में चलने लगते थे।

4. भादो की अँधेरी रात में भगत का संगीत किससे तुलना किया गया है?

- A. दीपक की लौ
 B. अचानक कौंध उठने वाली बिजली
 C. चाँद की चाँदनी
 D. सूरज की रोशनी (B)

व्याख्या: भादो की अँधेरी रात में भगत का संगीत बिजली की कौंध जैसा बताया गया है।

5. 'पुवाई' का अर्थ क्या है?

- A. पश्चिम से चलने वाली हवा
 B. पूरब से चलने वाली हवा
 C. उत्तर से चलने वाली हवा
 D. दक्षिण से चलने वाली हवा (B)

व्याख्या: 'पुवाई' का अर्थ पूरब से चलने वाली हवा है।

6. भगत की खाँजड़ी कैसी आवाज़ करती थी?

- A. टन-टन
 B. बडमक-बडमक
 C. डम-डम
 D. छन-छन (B)

व्याख्या: भगत की खाँजड़ी "बडमक-बडमक" बजती थी।

7. 'बनस्तब्धता' का अर्थ क्या है?

- A. बहुत हलचल
 B. सन्नाटा
 C. भीड़-भाड़
 D. आराम (B)

व्याख्या: 'बनस्तब्धता' का अर्थ सन्नाटा है।

8. गीत सुनकर हलवाहों और औरतों की क्या स्थिति होती थी?

- A. वे काम छोड़ देते थे
 B. वे झूम उठते और गुनगुनाने लगते थे
 C. वे भगत को रोकते थे
 D. वे सो जाते थे (B)

व्याख्या: गीत सुनकर हलवाहे झूम उठते और औरतें गुनगुनाने लगती थीं।

9. 'समूचा' शब्द का अर्थ क्या है?

- A. अधूरा
 B. पूरा
 C. थोड़ा
 D. विशेष (B)

व्याख्या: 'समूचा' का अर्थ पूरा होता है।

10. भगत का संगीत किसे जगा देता था?

- A. पूरा संसार
 B. केवल खेत के लोग
 C. बच्चे
 D. पक्षी (A)

व्याख्या: भादो की रात के सन्नाटे में भगत का संगीत पूरे संसार को जगा देता था।